प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

7 अगस्त 2026

एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण का क्षेत्रवार अभिनियोजन – जून 2026

वर्ष 2026 के जून माह के लिए प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से जुटाए गए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन संबंधी आंकड़े विवरण[1] में दिए गए हैं।

वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर, एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण में जून 2026 में 14.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 11.1 प्रतिशत थी।

30 जून 2026 को समाप्त माह की स्थिति के लिए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं:

- कृषि और संबद्ध कार्यकलापों हेतु प्रदत्त ऋण में जून 2026 में 17.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 5.1 प्रतिशत थी।

- उद्योग क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में जून 2026 में 6.7 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की बढ़ोतरी हुई, जोकि जून 2025 में 10.3 प्रतिशत थी। संवृद्धि में आई कमी का मुख्य कारण ‘आधारभूत संरचना’ क्षेत्र में आई धीमी संवृद्धि थी, जो इस क्षेत्र का एक प्रमुख घटक है।

- सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की वृद्धि जून 2026 में कम होकर 17.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रह गई, जो एक वर्ष पहले 22.4 प्रतिशत थी। जहाँ 'वाणिज्यिक स्थावर संपदा' में ऋण का तेज़ी से विस्तार हुआ, वहीं 'व्यापार' और 'परिवहन संचालकों' के क्षेत्रों में ऋण संवृद्धि में कमी देखी गई।

- जून 2026 में खुदरा ऋण संवृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 20.3 प्रतिशत हो गई, जो एक वर्ष पहले 14.3 प्रतिशत थी। खुदरा ऋणों के भीतर, 'आवास', 'वाहन' और ‘स्वर्ण आभूषणों के बदले ऋण' खंडों ने मजबूत ऋण संवृद्धि प्रदर्शित की।

अजीत प्रसाद
उप महाप्रबंधक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2026-2027/838

---

[1] ये आंकड़े महीने के अंतिम दिन रिपोर्ट किए गए अनंतिम आंकड़े हैं। एनबीएफसी के क्षेत्रवार ऋण संबंधी आंकड़े (i) अपर एवं मिडिल लेयर की एनबीएफसी और (ii) ‘भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25’ (आरटीपी 2024-25, सितंबर 2025 को यथास्थिति बकाया) में प्रकाशित डेटा के संबंध में कुल ऋण का लगभग 87 प्रतिशत सैम्पल पर आधारित हैं।